



Divanshu



S.Talwar

Model: Love-Horoscope

Order No: 121736801

Model: Love-Horoscope

Order No: 121736801

Date: 28/03/2026

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
09/02/1999 :	जन्म तिथि	: 09/02/1999
मंगलवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 09:50:00 :	जन्म समय	: 09:50:00 घंटे
घटी 06:52:48 :	जन्म समय(घटी)	: 06:52:48 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Gwalior
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:12:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:04:52 :	सूर्योदय	: 06:57:55
18:06:08 :	सूर्यास्त	: 18:05:36
23:50:31 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:31
मीन :	लग्न	: मीन
गुरु :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
वृश्चिक :	राशि	: वृश्चिक
मंगल :	राशि-स्वामी	: मंगल
अनुराधा :	नक्षत्र	: अनुराधा
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
1 :	चरण	: 1
ध्रुव :	योग	: ध्रुव
तैतिल :	करण	: तैतिल
ना-नवीन :	जन्म नामाक्षर	: ना-नन्दिता
कुम्भ :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
विप्र :	वर्ण	: विप्र
कीटक :	वश्य	: कीटक
मृग :	योनि	: मृग
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
सर्प :	वर्ग	: सर्प

**Meenna Salaria Astro & Numerio**

Delhi

9667113751

salaria.meena@gmail.com

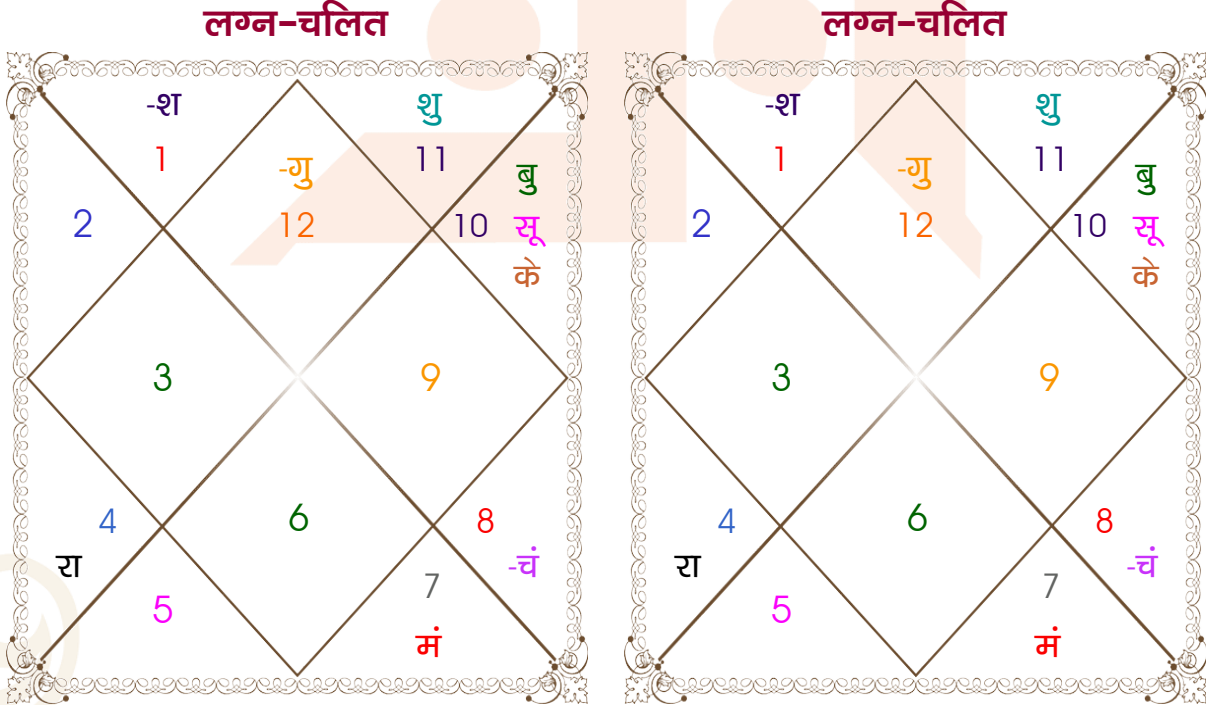
1

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 18वर्ष 8मा 20दि	21:48:51	मीन	लग्न	मीन	22:37:27	शनि 18वर्ष 8मा 20दि
बुध	26:06:50	मक	सूर्य	मक	26:06:50	बुध
30/10/2017	03:31:43	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	03:31:43	30/10/2017
30/10/2034	11:17:09	तुला	मंगल	तुला	11:17:09	30/10/2034
बुध 28/03/2020	29:52:29	मक	बुध	मक	29:52:29	बुध 28/03/2020
केतु 25/03/2021	05:19:06	मीन	गुरु	मीन	05:19:06	केतु 25/03/2021
शुक्र 24/01/2024	20:27:44	कुंभ	शुक्र	कुंभ	20:27:44	शुक्र 24/01/2024
सूर्य 29/11/2024	04:28:13	मेष	शनि	मेष	04:28:13	सूर्य 29/11/2024
चन्द्र 01/05/2026	28:18:39	कर्क व	राहु व	कर्क	28:18:39	चन्द्र 01/05/2026
मंगल 28/04/2027	28:18:39	मक व	केतु व	मक	28:18:39	मंगल 28/04/2027
राहु 14/11/2029	19:19:58	मक	हर्ष	मक	19:19:58	राहु 14/11/2029
गुरु 20/02/2032	08:40:57	मक	नेप	मक	08:40:57	गुरु 20/02/2032
शनि 30/10/2034	16:20:55	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:20:55	शनि 30/10/2034

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

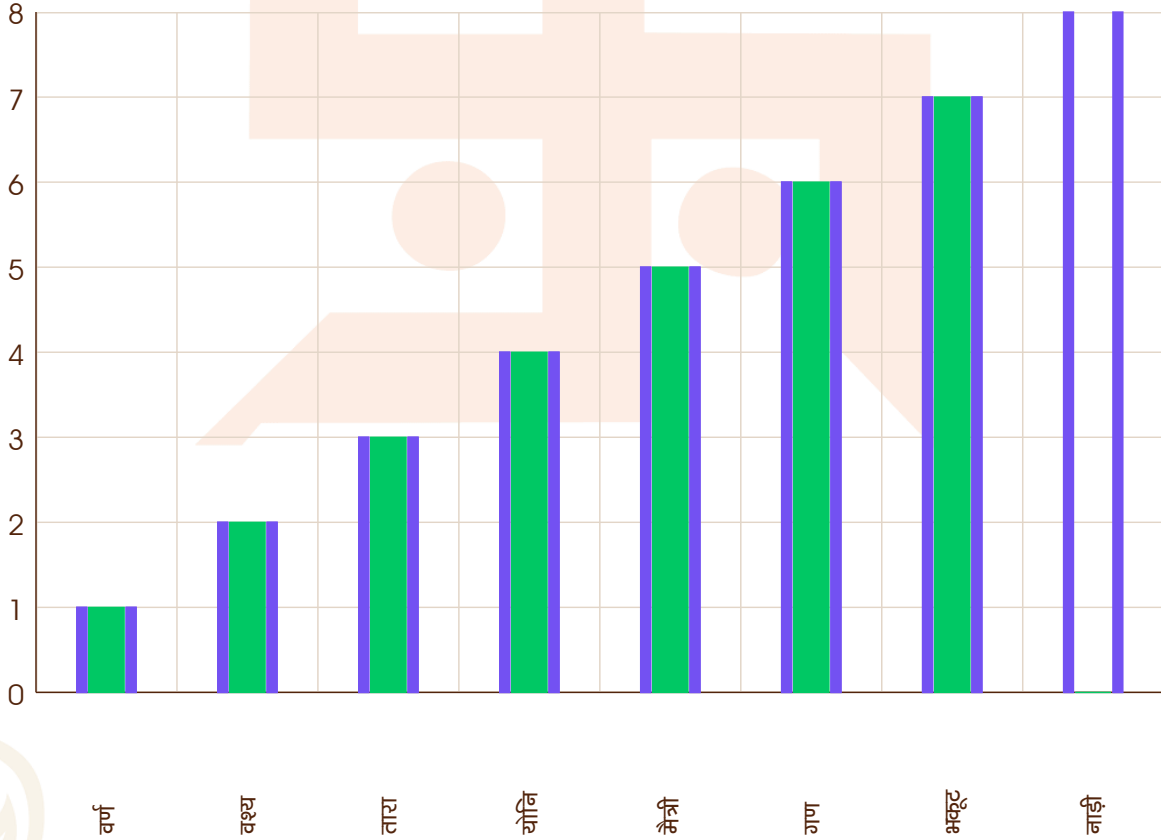
23:50:31 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:31



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>28.00</b>		

कुल : 28 / 36



## अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।  
Divanshu का वर्ग सर्प है तथा S.Talwar का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Divanshu और S.Talwar का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Divanshu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।  
S.Talwar मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

### गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।  
क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।  
Divanshu तथा S.Talwar में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Divanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा S.Talwar का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

### वश्य

Divanshu का वश्य कीट है एवं S.Talwar का वश्य भी कीट है। अर्थात् दोनों का वश्य समान है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार तथा पसंद/नापसंद एक जैसे होंगे। पति-पत्नी के बीच अगाध प्रेम बना रहेगा। फिर भी दोनों को डंक मारने की आदत बनी रह सकती है। यदा-कदा दोनों के बीच घमासान लड़ाई भी हो सकती है तथा ये एक-दूसरे को शारीरिक नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। अधिकतर समय ये कर्तव्यपरायण एवं जिम्मेवार प्रवृत्ति के होंगे तथा इनमें आपसी समझ एवं सद्भाव का बाहुल्य बना रहेगा। इनके बच्चे थोड़े आक्रामक किंतु आज्ञाकारी एवं कर्तव्यपरायण होंगे।

### तारा

Divanshu की तारा जन्म तथा S.Talwar की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

### योनि

Divanshu की योनि मृग है तथा S.Talwar की योनि भी मृग है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक

समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Divanshu एवं S.Talwar दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Divanshu एवं S.Talwar दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

### गण

Divanshu का गण देव तथा S.Talwar का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

### भकूट

Divanshu एवं S.Talwar दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Divanshu एवं S.Talwar तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

### नाड़ी

Divanshu की नाड़ी मध्य है तथा S.Talwar की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Divanshu एवं S.Talwar का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Divanshu और S.Talwar की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Divanshu और S.Talwar की राशि का स्वामी मंगल है। अतः Divanshu और S.Talwar के मध्य मित्रता पूर्वक संबंध स्थापित रहेंगे। वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों के प्रति क्षमाशीलता का दृष्टिकोण रहेगा। इससे वे दोनों सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। वे एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा एवं सुख दुःख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में अप्रिय स्थितियों से हमेशा सुरक्षित रहेंगे।

Divanshu और S.Talwar की राशियां परस्पर प्रथम-प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Divanshu और S.Talwar एक दूसरे के आस्तित्व को सम्मान पूर्वक स्वीकार करेंगे तथा दैनिक जीवन में एक दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अपनी इस प्रवृत्ति से उनके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना से सुख शांति पूर्वक अपना सुखी वैवाहिक जीवन का उपभोग करेंगे।

Divanshu एवं S.Talwar दोनों का वश्य कीट है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी समर्थ रहेंगे।

Divanshu एवं S.Talwar दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी प्रवृत्ति शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यों के प्रति रहेगी तथा कार्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार कार्य क्षमता में समानता के कारण किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

## धन

Divanshu और S.Talwar का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Divanshu और S.Talwar सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Divanshu को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद

पूर्वक व्यतीत करेंगे।

### स्वास्थ्य

Divanshu और S.Talwar एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से Divanshu और S.Talwar असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Divanshu और S.Talwar का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Divanshu और S.Talwar के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में S.Talwar के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन S.Talwar को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में S.Talwar को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Divanshu और S.Talwar सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Divanshu और S.Talwar का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

S.Talwar के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद S.Talwar अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं

होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से S.Talwar पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि S.Talwar अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

### ससुराल-श्री

Divanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Divanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Divanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Divanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

## लग्न फल

### Divanshu

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृत्ति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रुचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपको सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रुचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृत्ति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभमांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह

आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं हैं। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आपकी आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धूम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।

## S.Talwar

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि ने आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया है। यदि आप वासना के प्रति अपनी मनोवृत्ति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल महिला बन जाएंगी। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझी जाएंगी तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रुचिवान रहेंगी तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखी जाएंगी।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगी।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करती रहोगी। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगी। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपके सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रुचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगी तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करती हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृत्ति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करती हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करती हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगी। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगी।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगी। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सतर्कता पूर्वक अग्रसर होवे। इसके पश्चात आपकी आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगी।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकती हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगी। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धूम्रपान की तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पति एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।



## अंक ज्योतिष फल

### Divanshu

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय में एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगे। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगे एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगे। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगे। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों के शिकार होंगे। अतः आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा।

### S.Talwar

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय में एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगे। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगे एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगे। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगे। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों की शिकार होंगी। अतः

आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा। क्रोध से बचना आपके लिए हितकर रहेगा।

## Divanshu

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

## S.Talwar

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।